हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, मंगलवार 7 जुलाई 2026

13 मुख्यमंत्री कार्यालय की निगरानी में पीपीपी...

14 हकेंवि में 4 वर्षीय बीए-बीएड पाठ्यक्रम...

महेंद्रगढ़ सहित कई जिलों में मौसम सुहावना तापमान में गिरावट ने दी उमस से राहत

हरियाणा-एनसीआर में मानसून ने पकड़ी रफ्तार अगले 4-5 दिन झमाझम बारिश के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

हरियाणा एनसीआर व दिल्ली में सोमवार को मानसून एक बार फिर सक्रिय नजर आया। पूरे क्षेत्र में मौसम का मिजाज दिनभर बदलता रहा। कहीं बादलों की आवाजाही रही, तो कहीं तेज हवाओं के साथ बारिश दर्ज की गई। दिन और रात के तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। हालांकि जब हवाएं शांत हो जाती हैं, तब दक्षिण-पूर्वी दिशा से आने वाली नमीयुक्त मानसूनी हवाओं के कारण उमस काफी बढ़ जाती है, जिससे लोगों को पसीने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

सोमवार को झज्जर, सोनीपत, रोहतक, भिवानी, जींद, कैथल, कुरुक्षेत्र, अंबाला, यमुनानगर, पंचकूला, चंडीगढ़, चरखी दादरी, फरीदाबाद व पलवल सहित कई जिलों में तेज हवाओं, गर्जना और बिजली चमकने के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। वहीं पानीपत, करनाल, फतेहाबाद, हिसार, महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और बूंदाबांदी देखने को मिली। पिछले दो-तीन दिनों से प्रदेश में बिखरी हुई मानसूनी गतिविधियां जारी हैं और बादलों का लगातार निर्माण एवं विकास हो रहा है। हरियाणा, एनसीआर और दिल्ली में मानसून की सक्रियता लगातार बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र है, जो अब डिप्रेशन का रूप ले चुका है। यह मौसम प्रणाली दक्षिण-पूर्वी झारखंड और उत्तरी ओडिशा के आसपास पहुंच चुकी है तथा अगले 24 घंटों में दक्षिणी झारखंड, उत्तरी ओडिशा व छत्तीसगढ़ होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है।

बंगाल की खाड़ी में बने डिप्रेशन और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 10 जुलाई तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम, कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना

जिला महेंद्रगढ़ का मौसम

जिला महेंद्रगढ़ में सोमवार को मौसम सामान्यतः परिवर्तनशील बना रहा। दोपहर बाद महेंद्रगढ़, आकोदा, कनीना, सेका, मंढाणा सहित आसपास के क्षेत्रों में हल्की बिखरी हुई बारिश दर्ज की गई। शाम के समय पूरे जिले में बादलों की आवाजाही बनी रही तथा पांच से 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली। मौसम सुहावना रहने से लोगों को उमस भरी गर्मी से कुछ राहत मिली। तापमान की बात करें तो नारनौल में अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि महेंद्रगढ़ में न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

क्या कहते हैं मौसम विशेषज्ञ

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि मौजूदा मौसम मॉडल के अनुसार यदि मौसम प्रणाली के मार्ग में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो यह मध्य प्रदेश से होते हुए राजस्थान अथवा हरियाणा-एनसीआर, दिल्ली और दक्षिणी उत्तर प्रदेश के आसपास से गुजर सकती है। इसके अलावा आज रात तक उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय होने की संभावना है। इन दोनों मौसम प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से 10 जुलाई तक हरियाणा, एनसीआर व दिल्ली में मानसून पूरी तरह सक्रिय रहेगा। इस अवधि में अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश, जबकि कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। हालांकि 10 जुलाई के बाद भारी बारिश की तीव्रता में कमी आने की संभावना है और केवल छिटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिल सकती है।

खबर संक्षेप

कल गुढ़ा व करीरा आएगी स्वास्थ्य मंत्री

कनीना। हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री मंत्री आरती सिंह राव आठ जुलाई को अटेली हलके के कनीना सब डिवीजन के गांव करीरा व गुढ़ा में विकास कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास करेगी। पंचायत समिति चेयरमैन जेपी यादव ने बताया कि बताया कि समारोह में गांव में हुए विकास कार्यों का उद्घाटन किया जाएगा।

देशी कट्टा व कारतूस सहित आरोपित काबू

नारनौल। सीआईए महेंद्रगढ़ ने एक व्यक्ति को अवैध हथियार व तीन जिंदा रौंद सहित गिरफ्तार किया। सीआईए टीम ने कार्रवाई के दौरान धीरज निवासी गुलाबपुरा थाना रामपुरा जिला रेवाड़ी को काबू किया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा व तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

ई रिक्शा और बस की बैटरी उड़ा ले गए चोर

कनीना। सदर थाना क्षेत्र में वाहनों की बैटरी चोरी होने की घटना सामने आई है। जिसे लेकर पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है। मोहनपुर नांगल निवासी मंजीत ने पुलिस को शिकायत दी है कि उसने सायं के समय अपना ई रिक्शा घर के बाहर खड़ा किया था। अगली सुबह ई रिक्शा से पांच बैटरी गायब मिली। एक बस की बैटरी चोरी की गई।

वरिष्ठ नागरिक संगठन की बैठक 12 जुलाई को

नारनौल। संगठन के कार्यवाहक उपप्रधान विजय सिंह यादव रहीश ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक संगठन नारनौल की मासिक बैठक 12 जुलाई को सुबह 10 बजे किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित होगी।

अवैध कटाई पर वन विभाग सख्त, आरोपियों पर की कार्रवाई

हरे पेड़ों पर चला कुल्हाड़ा, नीरपुर में ट्रैक्टर ट्रॉली समेत लकड़ी और औजार किए जब्त

बिना अनुमति पेड़ काटना दंडनीय अपराध, हाईकोर्ट के प्रतिबंध के चलते फिलहाल नहीं मिल रही कटाई की अनुमति

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

पर्यावरण संरक्षण को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए वन विभाग ने जिले के गांव नीरपुर में हरे पेड़ों की अवैध कटाई के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में खेत से काटे गए हरे नीम सहित अन्य पेड़ों के तनों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, पेड़ काटने में प्रयुक्त औजार और संबंधित व्यक्ति को पकड़ लिया गया। विभाग ने मौके से बरामद ट्रैक्टर-ट्रॉली, लकड़ी और उपकरणों को जब्त कर सोमवार को सिविल कोर्ट, नारनौल में पेश किया, जहां न्यायालय ने सभी सामान को सीज करने के आदेश जारी कर दिए। साथ ही संबंधित आरोपित को नोटिस एवं जुर्माना लगाने की भी तैयारी की जा रही है।

वन विभाग के अनुसार रविवार देर शाम करीब साढ़े सात बजे फॉरेस्ट गार्ड प्रवीण कुमार को सूचना मिली कि गांव नीरपुर स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के पास से 152-डी मार्ग की ओर जाने वाले संपर्क मार्ग पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली हरे पेड़ों के तनों को लेकर जा रही है। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोक लिया। जांच में ट्रॉली में हरे नीम सहित अन्य पेड़ों के तने पाए गए, जबकि मौके से पेड़ काटने में इस्तेमाल की गई चार कुल्हाड़ियां, तीन कस्सियां और एक लोहे की चेन भी बरामद हुई। वन विभाग ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर नारनौल कार्यालय पहुंचाया, जहां से उसे सिंघाना रोड स्थित विभागीय कार्यालय के हवाले कर दिया गया। रेंज अधिकारी रजनीश यादव के नेतृत्व में ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक एवं पेड़ काटने वाले आनंद पुत्र शुभकरण सैनी वासी सेखपुरा के खिलाफ वन अधिनियम के तहत आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की गई। विभाग ने नियमानुसार सोमवार को जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली, लकड़ी और उपकरणों को सिविल कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी सामान को सीज करने के आदेश पारित किए गए।

नारनौल। वन विभाग द्वारा पकड़े गए पेड़ के कटे हुए तनों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली।

हरे पेड़ों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक

वन विभाग का मानना है कि जिले में बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच हरे पेड़ों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। एक परिपक्व पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देता, बल्कि भूजल संरक्षण, तापमान नियंत्रण और जैव विविधता को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोरोना काल याद है ना। लोग ऑक्सीजन की जरूरत में किस कद्र दर बदर हो गए थे। इसलिए अवैध कटाई के मामलों में विभाग किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरत रहा है। अधिकारियों ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कहीं भी हरे पेड़ों की अवैध कटाई होती दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत वन विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों पर शिकंजा कसा जा सके।

बिना अनुमति नहीं काट सकते हरे पेड़

वन अधिकारियों का कहना है कि हरियाणा में निजी भूमि पर लगे पेड़ों को भी बिना अनुमति नहीं काटा जा सकता। इसके लिए संबंधित व्यक्ति को हरियाणा सरकार के सरल पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होता है। आवेदन में पेड़ काटने का कारण बताना अनिवार्य होता है। इसके बाद वन विभाग की टीम मौके का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करती है और उचित कारण पाए जाने पर ही अनुमति जारी की जाती है। हालांकि वर्तमान समय में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा हरे पेड़ों की कटाई पर लगाए गए प्रतिबंध के कारण सामान्य परिस्थितियों में भी अनुमति जारी नहीं की जा रही है। ऐसे में बिना अनुमति हरे पेड़ काटना सीधे तौर पर कानून का उल्लंघन माना जाता है। विभाग का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर सरकार और न्यायपालिका दोनों गंभीर हैं तथा अवैध कटाई करने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस साल एक अप्रैल से अब तक वन विभाग पेड़ काटने के विरुद्ध 47 चालान काट चुका है।

अधिकारी बोले

वन विभाग को गुप्त सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली, लकड़ी और कटाई में प्रयुक्त उपकरण जब्त किए गए। नियमानुसार 24 घंटे के भीतर जब्त सामान को सिविल कोर्ट में पेश किया गया, जहां से इन्हें सीज करने के आदेश प्राप्त हुए हैं। अब आगे की कार्रवाई न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप की जाएगी। बिना अनुमति हरे पेड़ों की कटाई करने वालों के खिलाफ वन विभाग भविष्य में भी इसी प्रकार सख्ती से कार्रवाई करता रहेगा।

-रजनीश यादव, रेंज अधिकारी, वन विभाग नारनौल

मंडी अटेली। नारनौल रेवाड़ी रोड जेसीबी की सहायता से खोखे हटाते हुए। फोटो: हरिभूमि

सड़क किनारे खोखे को हटाया, दी चेतावनी

- नारनौल-रेवाड़ी रोड पर दोबारा अतिक्रमण करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

मंडी अटेली। नारनौल-रेवाड़ी रोड को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने कमर कस ली है। सोमवार की सायं करीब सात बजे नगर पालिका की ओर से कड़ा अल्टीमेटम दिए जाने के बाद अवैध खोखा संचालकों में हड़कंप मच गया। प्रशासन की सख्ती का असर यह हुआ कि अल्टीमेटम मिलते ही अतिक्रमणकारियों ने स्वयं ही अपने खोखे वहां से हटा लिए। नगर पालिका अध्यक्ष संजय गोयल और सचिव प्रशांत पाराशर ने स्पष्ट किया है कि इस मार्ग को किसी भी सूरत में दोबारा अतिक्रमण की भेंट नहीं चढ़ने दिया जाएगा। कुछ समय पूर्व प्रशासन ने भारी मशक्कत के बाद सड़क किनारे से अवैध कब्जे हटाए थे, लेकिन कुछ लोगों द्वारा रात के अंधेरे का फायदा उठाकर दोबारा खोखे रखे जाने की शिकायतें मिल रही थीं। अध्यक्ष संजय गोयल ने चेतावनी दी है कि अब सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि भविष्य में कोई भी व्यक्ति सड़क किनारे अवैध खोखे रखता पाया गया तो प्रशासन उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करेगा। वहीं स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस अभियान को निरंतर जारी रखा जाए ताकि सड़क पर यातायात सुगम बना रहे। पालिका सचिव ने टीम को निर्देश दिए हैं कि वे पूरी सतर्कता बरतें और अतिक्रमण के किसी भी प्रयास को तुरंत प्रभाव से विफल करें।

मंडी अटेली। बिहाली जेसीबी की सहायता से अवैध कब्जा हटवाते हुए। फोटो: हरिभूमि

पंचायती जमीन पर चली जेसीबी, हटाया अवैध कब्जा

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव बिहाली में सोमवार को ग्राम पंचायत द्वारा पंचायती भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। बताया जाता है इस पंचायती भूमि पर लगभग पांच दशक से गांव के लगभग एक दर्जन से अधिक लोगों ने रुडी व ईंधन डाल कर कब्जा किया हुआ था। जानकारी के अनुसार कुछ लोगों ने इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई लेकिन पंचायत द्वारा जेसीबी मशीन चला कर पंचायती भूमि को कब्जा मुक्त कराया। कुछ लोगों का कहना था कि पंचायत ने हमें ईंधन व रुडी हटाने के लिए कोई सूचना व नोटिस नहीं दिया जबकि सरपंच प्रतिनिधि सीताराम यादव का कहना है कि लगभग 25 दिन पहले सभी को सुचित कर दिया गया था। सरपंच का कहना है कि सचिवालय के समीप सौंदर्यकरण को ध्यान में रखते हुए पंचायत की तीन कनाल भूमि जिसे कब्जा मुक्त कराया गया है उस पर पार्क का निर्माण करवाया जाएगा जिसमें बुजुर्गों के लिए बैठने व घुमने फिरने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, इसी के साथ साथ बच्चों के लिए झुलें की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

नारनौल। दौरा करते आईजी ओमप्रकाश नरवाल। फोटो: हरिभूमि

आईजी ओमप्रकाश नरवाल ने किया नारनौल का दौरा

- महिला थाने में सीसीटीएनएस, कंप्यूटर कक्ष और थाना परिसर में साफ-सफाई का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

साउथ रेंज के आईजी ओमप्रकाश नरवाल ने सोमवार को नारनौल का दौरा किया। आईजी ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों में पुलिस द्वारा पकड़े गए नशीले पदार्थों का निरीक्षण किया। इस दौरान एसपी दीपक व डीएसपी भारत भूषण मौजूद रहे। इस दौरान मामलों का निरीक्षण कर उनके रख-रखाव बारे निर्देश दिए। जब्त मामलों के रिकॉर्ड और उनकी चेकिंग को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद महिला थाना का निरीक्षण करते हुए सीसीटीएनएस व कंप्यूटर कक्ष और थाना परिसर में साफ-सफाई का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन का निरीक्षण किया, पुलिस लाइन में उन्होंने एडम ब्लॉक और लाइन की साफ-सफाई का निरीक्षण किया। आईजी ने निरीक्षण करते हुए वहां पर मौजूद पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान उप निरीक्षक अनिल कुमार, महिला थाना प्रबंधक और पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे।

सुराना मोड़ पर अज्ञात वाहन की टक्कर से किसान की मौत

नारनौल। गांव सुराना में रविवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 52 वर्षीय किसान की मौत हो गई। हादसा एनएच-11 पर सुराना मोड़ के समीप हुआ, जहां पैदल जा रहे किसान को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मृतक की पहचान गांव सुराना निवासी सतबीर (52) के रूप में हुई है। वह खेतीबाड़ी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। पुलिस के अनुसार रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे सतबीर एनएच-11 पर स्थित सूराना मोड़ के पास पैदल अपने गांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद लोगों ने तुरंत एंबुलेंस की सहायता से घायल सतबीर को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया।

आरोपित अधिकारियों पर कार्रवाई, आर्थिक सहायता व हादसाजनक लाइन हटाने की मांग

11 केवी लाइन की चपेट में आए सैनिक की मौत पर न्याय की गुहार, ग्रामीणों ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

गांव चन्दपुरा के सैकड़ों ग्रामीणों ने सोमवार को जिला स्तरीय समस्या समाधान शिविर में उपायुक्त से मिलकर सेना के नायक स्वर्गीय मनोज कुमार की 22 जून को 11 केवी विद्युत लाइन की चपेट में आने से हुई दर्दनाक मृत्यु के मामले में बिजली निगम के आरोपित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, परिवार को उचित आर्थिक सहायता तथा घर के ऊपर से गुजर रही हादसाजनक विद्युत लाइन को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में गांव चन्दपुरा के अलावा गणियार, मुडियाखेड़ा सहित आसपास के अनेक गांवों के सैकड़ों ग्रामीण शामिल रहे। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मनोज कुमार का परिवार पिछले तीन पीढ़ियों से भारतीय सेना में रहकर देश सेवा करता आ रहा है। ऐसे परिवार के मुखिया की विभागीय लापरवाही से हुई असामयिक मृत्यु पूरे क्षेत्र के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। उपायुक्त अनुपमा अंजली को सौंपे गए ज्ञापन में स्वर्गीय नायक मनोज कुमार की पत्नी प्रियंका ने बताया कि वर्ष 2017 से ही वे एसडीओ बिजली निगम अटेली मंडी तथा कार्यकारी अभियंता बिजली निगम नारनौल को कई बार लिखित एवं मौखिक रूप से घर के ऊपर से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन को हटाने की मांग कर रही थी। सेना में कार्यरत उनके चाचा ससुर ने भी सेना के अधिकारियों के माध्यम से उपायुक्त एवं बिजली निगम के उच्च अधिकारियों को इस संबंध में अवगत कराया था, लेकिन बिजली निगम ने कोई कार्रवाई नहीं की।

नारनौल। उपायुक्त से मिलने आए ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

15 दिन में कार्रवाई के निर्देश

मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता को घर के ऊपर से गुजर रही हादसाजनक विद्युत लाइन को तत्काल हटाने तथा पूरे मामले में 15 दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गर्मी की छुट्टियां बनी जानलेवा

प्रियंका ने बताया कि नायक मनोज कुमार गर्मियों की छुट्टियां बिताने गांव आए हुए थे। 22 जून को घर की छत पर कार्य करते समय वे 11 केवी विद्युत लाइन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी दर्दनाक मृत्यु हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि समय रहते बिजली निगम ने लाइन को हटाया होता, तो यह हादसा टाला जा सकता था।

ग्रामीण रहे मौजूद

इस मौके पर गांव चन्दपुरा के सरपंच प्रतिनिधि धर्मेन्द्र, पूर्व सरपंच फूलसिंह, पूर्व सरपंच अभय सिंह, मास्टर सुबेसिंह, मुडियाखेड़ा से पीड़िता के पिता सुशील कुमार, ताऊ बंशीलाल, भागसिंह, इन्द्रपाल सिंह, चाचा राजेश कुमार सहित गांव चन्दपुरा के कामरेड अभय सिंह, रामेश्वर पंच, विजय सिंह, संदीप, बलबीर सिंह, कबुल सिंह, जगरूप सिंह सूबेदार, जयदेव सूबेदार मेजर, धर्मपाल, महावीर प्रसाद, जगत हवलदार, अश्विनी सूबेदार, राजेश मास्टर, पवन कुमार, छाजूराम रावत सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
7 जुलाई 2026

सहेली

आज की स्त्री केवल घर-परिवार की तमाम जिम्मेदारियों के बीच दबकर नहीं रहना चाहती। वह साझा जिम्मेदारियों में यकीन करती है। वह अपनी परंपरागत छवि से निकलकर ऐसी जिंदगी जीना चाहती है कि उसे परिवार-समाज में मान-सम्मान मिले, उसका भी एक अस्तित्व हो। पर्सनल लाइफ में ही नहीं, प्रोफेशनल लाइफ में भी वह डिसीजनमेकर बने। नए दौर की स्त्री, आत्मविश्वासी होकर स्वाभिमान से जीवन जीना चाहती है। वह अपनी अस्मिता को लेकर पूरी तरह जागरूक रहती है।

अपनी अस्मिता के लिए जागरूक आज की स्त्री

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

स्त्री को सदैव सौम्यता की प्रतिमूर्ति माना गया है। जॉन ग्रे की प्रसिद्ध पुस्तक 'पुरुष मंगल से हैं, स्त्रियां शुक्र से', इस बात की पुष्टि करती है। मतलब स्त्रियां सौम्य और कोमल स्वभाव की होती हैं। आमतौर पर परिवार के सभी सदस्यों की देखभाल की भूमिका निभाती हैं। लेकिन आज सामाजिक परिवेश ही नहीं, व्यक्तिगत सोच भी तेजी से बदल रही है। स्त्रियां अब केवल 'वीनस' यानी अपनी सौम्य और पारंपरिक छवि से बाहर ही नहीं निकल रही हैं। वे मंगल यानी साहस और नेतृत्व के गुणों को भी अपना चुकी हैं। स्त्रियों की छवि अब केवल त्याग की प्रतिमूर्ति वाली नहीं रही, अब उनकी पहचान एक निर्णय लेने वाली, आत्मविश्वास से भरी स्त्री के रूप में उभरी है। पहले स्त्रियों को केवल 'देखभाल' और 'ममता' से जोड़कर देखा जाता था। आज उनकी छवि 'अल्फा फी-मेल' की है, जो घर और ऑफिस दोनों मोर्चों पर नेतृत्व करती हैं। अब वे केवल एक 'सपोर्ट सिस्टम' नहीं, बल्कि 'सिस्टम' चलाने वाली बन गई हैं।

स्वयं की पहचान पहले

आधुनिक स्त्रियों की आदतों में एक बड़ा बदलाव यह आया है कि वे दूसरों की जरूरतों से पहले अपने आत्म-सम्मान और करियर को प्राथमिकता देने लगी हैं। आज स्त्रियों के लिए उनकी अपनी पहचान किसी भी रिश्ते से ऊपर है। वे खुद को खोकर किसी रिश्ते को बचाने के पक्ष में नहीं हैं। इससे पारंपरिक ढांचे से अलग 'जेंडर रोल्स' यानी लिंग आधारित भूमिकाएं अब अप्रासंगिक हो रही हैं।

आर्थिक स्वतंत्रता का प्रभाव

महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों के समीकरण बदल दिए हैं। अब वे केवल सुरक्षा के लिए रिश्तों में नहीं रहतीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव को प्राथमिकता देती हैं। खर्च करने और निवेश करने की आदतों में महिलाएं अब पुरुषों पर निर्भर नहीं हैं। वे अपनी वित्तीय योजनाएं खुद बनाती हैं, जो उनकी बढ़ती आत्मनिर्भरता का द्योतक है। अपनी कमाई को अपनी पसंद पर खर्च करना और अपने सपनों जैसे अकेले यात्रा करना या शौक पूरे करने के लिए समय निकालना उनकी जीवनशैली में शामिल हो गया है।

भावनात्मक अपेक्षाएं

आज की स्त्रियां अपने साथी से केवल घर चलाने में मदद नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्तर पर गहरी समझ और साझेदारी की उम्मीद करती हैं। बदलते सामाजिक ढांचे के कारण पुरुषों और स्त्रियों के बीच जो 'एक्सपेक्टेशन गैप' यानी अपेक्षाओं का अंतर पैदा हुआ है, उसे समझना ही सुखद जीवन की कुंजी है।

संचार का नया तरीका

आज की स्त्रियों के लिए संवाद केवल समस्याओं को सुलझाने के लिए नहीं, बल्कि अपनी पहचान और व्यक्तिगत स्पेस को परिभाषित करने के लिए भी जरूरी हो गया है। आज स्त्री-पुरुष के बीच समानता के भाव आपसी टकराव की समस्या का निदान है। रिश्तों में 'शक्ति प्रदर्शन' के बजाय 'समान भागीदारी' ही वह रास्ता है, जिससे 'वीनस' और 'मार्स' के बीच की दूरी कम की जा सकती है। स्त्रियां अब 'मौन' रहने के बजाय, अपनी बात मुखरता से रखना पसंद करती हैं। रिश्तों में अपनी सीमाओं को तय करना अब उनकी आदत बन गई है।

पारिवारिक समीकरणों में बदलाव

आज की महिलाएं घर के कामों को केवल 'अपनी जिम्मेदारी' समझने के बजाय इसे साझा जिम्मेदारी के रूप में देखती हैं, परिवार के सदस्यों में काम के बंटवारे की मांग करती हैं। घर और करियर के बीच संतुलन बनाना अब केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक साझा पारिवारिक प्रयास है। अपनी पसंद-नापसंद को स्पष्ट रूप से कहना अब जरूरी माना जाने लगा है। वे अब रिश्तों में 'एडजस्टमेंट' के नाम पर अपने अस्तित्व से समझौता नहीं करना चाहतीं।

सोशल नेटवर्किंग से जुड़ाव

आज की स्त्रियों की आदतों में डिजिटल साक्षरता और सोशल नेटवर्किंग शामिल हो गई है। वे दुनिया भर की जानकारियों से अपडेट रहती हैं, जिससे उनकी सोच का दायरा बंधी सीमाओं को पार कर गया है।

अपेक्षाओं का नया स्तर

आज की स्त्रियां जीवन साथी से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक और मानसिक बराबरी की उम्मीद करती हैं। उनकी अपेक्षाएं अब पारंपरिक मानदंडों से कहीं अधिक ऊंची हैं। पहले वे छोटे-बड़े फैसलों के लिए पुरुष पर निर्भर रहती थीं। आज अधिकांश महिलाएं महत्वपूर्ण निर्णय खुद ले रही हैं।

स्वास्थ्य के प्रति सजगता

अपनी सेहत को नजरअंदाज करने की पुरानी आदत को छोड़कर, अब महिलाएं योग, जिम और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे रही हैं। अब कोई महिला 'जीरो फिगर' के पीछे भागने के बजाय 'मजबूत शरीर' और 'सक्रिय जीवनशैली' को अपनी आदत बना रही है। उसके लिए फिटनेस अब सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि शक्ति के लिए है।

भावनात्मक आत्मनिर्भरता

पहले स्त्रियों को भावनात्मक रूप से कमजोर माना जाता था। आधुनिक स्त्रियां अब अपनी खुशी के लिए किसी और पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने अपनी आदतों में 'सेल्फ-लव' और मानसिक मजबूती को शामिल कर लिया है। पारंपरिक बेड़ियों का त्याग करके वे अब उन आदतों और रीति-रिवाजों को चुनौती दे रही हैं, जो उसकी प्रगति में बाधक हैं। पितृसत्तात्मक सोच को नकारने में वे अब हिचक नहीं रही हैं।

करियर और महत्वाकांक्षा

आज की स्त्रियों के लिए अब काम करना केवल समय बिताने का जरिया नहीं, बल्कि उनकी पहचान का हिस्सा है। उनकी आदतों में अब 'नेटवर्किंग', 'कौशल विकास' और 'वैश्विक प्रतिस्पर्धा' प्राथमिकता पर हैं। आधुनिक स्त्रियों ने अपनी आदतों में 'डेलिगेशन' (काम सौंपना) सीख लिया है। वह हर काम खुद करके थकने के बजाय तकनीक और संसाधनों का स्मार्ट उपयोग कर रही हैं। कहने का सारांश यही है कि आज की स्त्रियां आत्मनिर्भर हो रही हैं, अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए वे पूरी तरह जागरूक हैं। ❁

कभी-कभी गुस्सा, चिंता, उदासी, डर, अपराधबोध और आत्ममुग्धता जैसी नकारात्मक भावनाएं भी हमें सही दिशा देकर सफलता और सुखी जीवन की राह पर लाती हैं। इस बारे में जानिए।

कभी-कभी नकारात्मक भाव भी आपके लिए हो सकते हैं फायदेमंद

मनोभाव

अंजू जैन

यह बात पूरी तरह सच नहीं है कि केवल सकारात्मक भावनाएं ही जीवन में सफलता लाती हैं। कई बार बुरा वक्त और गुस्सा, चिंता, डर और अपराधबोध जैसी 'नकारात्मक भावनाएं' भी सफलता और विकास के लिए शक्तिशाली उपकरण साबित होती हैं। अपने पूरे व्यक्तित्व को स्वीकार करना सफलता और संतुष्टि के लिए जरूरी है। समय-समय पर दुनिया भर के मनोविज्ञानियों, व्यवहार विशेषज्ञों और समाजशास्त्रियों द्वारा किए गए अध्ययनों से यह साबित हुआ है कि नकारात्मक बातें भी हमारे लिए उपयोगी साबित होती हैं, कैसे जानिए-

गुस्से की शक्ति: गुस्सा हमेशा बुरा नहीं होता। यह वो ऊर्जा है, जो हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने की शक्ति देता है। जब हम किसी बात पर गुस्सा होते हैं, तो हमारा शरीर सक्रिय हो जाता है। गुस्से को यदि सही ढंग से इस्तेमाल किया जाए, तो यह अपनी सेल्फ रेस्पेक्ट की रक्षा करने और समस्याओं को हल करने में ईंधन का काम करता है। गुस्सा हम में अधिकार की भावनाओं को मजबूत करने में मदद कर सकता है।

चिंता एक रक्षा तंत्र है: चिंता हमें संभावित खतरों के प्रति सचेत करती है, विपरीत परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाती है। चिंता के वक्त हम अपने विभिन्न सहायता सूत्रों और अपनी छिपी हुई प्रतिभा का पता लगाने में सक्षम हो जाते हैं।

अपराधबोध सुधार का मार्ग है: अपराधबोध हमें अपनी गलतियों को सुधारने और एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करता है। जब हमें अपराधबोध होता है, तो हम अपने व्यवहार को सुधारने और दूसरों के साथ संबंध ठीक करने की कोशिश करते हैं। यह हमें नैतिक बनाए रखने में भी मददगार होता है।

ऊब-उदासी-दुःख से सीख: उदासी या ऊब जैसी असहज भावनाएं हमें अधिक विचारशील, साहसी और दूसरों के प्रति दयालु बनाने में मदद कर सकती हैं। अपने 'अंधेरे पक्ष' को दबाने के बजाय उसका उपयोग करके हम एक अधिक सार्थक और उद्देश्यपूर्ण जीवन जी सकते हैं। सच्चा व्यक्तिगत विकास तब होता है, जब हम असहज स्थितियों जैसे ऊब, दुःख या अकेलेपन का सामना करते हैं। ऊब हमें कुछ नया खोजने के लिए प्रेरित करती है, जबकि दुःख हमें गहराई से सोचने और दूसरों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने में मदद करता है।

डर है सुरक्षा गार्ड जैसा: रॉबर्ट बिस्वास-डाइनर और टॉड काशदान द्वारा लिखित पुस्तक 'द अपसाइड ऑफ योर डार्क साइड' में बताया गया है कि डर को खत्म करने के बजाय इसे एक ईंधन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। डर हमें गलतियों के प्रति सतर्क रखता है। आप चाहें तो 'डिफेंसिव पेसिमिज्म' का उपयोग कर सकती हैं। यह एक मनोवैज्ञानिक तकनीक है, जिसमें हम जानबूझकर सबसे खराब स्थिति की कल्पना करते हैं। जैसे खुद से पूछें, 'अगर मैं फेल हो गया तो सबसे बुरा क्या होगा?' जब आप सबसे बुरे परिणाम का अंदाजा लगाकर इससे निपटने की योजना बना लेती हैं, तो आपका दिमाग शांत हो जाता है, क्योंकि अब आपके पास एक 'प्लान बी' है। यह आपको निडर होकर काम करने की शक्ति देता है।

आत्ममुग्धता के लाभ: माना कि अत्यधिक आत्ममुग्धता बुरी है, लेकिन संतुलित रूप से आत्ममुग्धता स्वस्थ आत्मविश्वास के रूप में काम करती है। थोड़ा-सी आत्ममुग्धता व्यक्ति को साहसी बनाती है, जिससे वह भीड़ से अलग हटकर अपनी बात रख पाता है और कठिन नेतृत्व वाली भूमिकाएं निभाने में सक्षम होता है। आत्ममुग्धता के कुछ लक्षण व्यक्ति को अधिक उत्पादक, रचनात्मक और महत्वाकांक्षी बना सकते हैं। ❁

बच्चे और आप

डॉ. मोनिका शर्मा

अभिभावकों द्वारा कभी बच्चों को गुस्से में कहे गए शब्द, उनके मन में ऐसी खरोंच छोड़ जाते हैं, जिसके घातक परिणाम हो सकते हैं। इसलिए जरूरी है, बच्चों से कभी कुछ ऐसा ना बोलें, जो उनके दिल को गहरी चोट पहुंचाए, वे अपमानित महसूस करें।

बालमन पर न पड़े शब्दों की खरोंच..

अभिभावक हर हाल में अपने बच्चों की बेहतरी ही चाहते हैं। उनके भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं। एक ही परिवार के सदस्य होने के नाते माता-पिता बच्चों से औपचारिक संवाद भी नहीं करते। उनकी बातें ज्यादातर स्पष्ट और सीधी होती हैं। समस्या यह है कि कई बार सीधे-सीधे कह दिए गए कुछ शब्द बच्चों के मन में गहरे घाव कर जाते हैं। हाल में हुई एक दुःखद घटना में कानपुर के चौबीस वर्षीय युवा का सुसाइड नोट पिता के कहे कुछ शब्द दिल में बसी निरादर यादें बनकर रह जाने का ही मामला है। उसने अपने सुसाइड नोट में पिता के अत्यधिक कठोर बर्ताव और बचपन के टॉर्चर को मौत की वजह बताया। बचपन में छोटी-छोटी गलतियों पर पिता की मार और मार्क्स कम आने पर घर से निकालने की धमकियां उसके लिए बहुत कड़वी यादें बन गई थीं।

अपमान के घाव: आमतौर पर बड़े सोचते हैं कि बच्चों को मान-अपमान का बर्ताव समझ में नहीं आता। सहज आक्रोश हो या तीखी बहस, बड़े बहुत कुछ बोलकर भूल जाते हैं। जबकि ऐसे ताने-उलाहने बच्चों के मन पर सदा के लिए अंकित हो जाते हैं। जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही अभिभावकों से भावनात्मक रूप से दूर हो जाते हैं। आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाले शब्दों से उनका आत्मविश्वास कमजोर हो जाता है। दुनिया के सबसे सुंदर रिश्ते में भी बच्चे असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। जिन शब्दों को कहकर हम बड़े भूल जाते हैं, बच्चे याद रखते हैं। न केवल याद रखते बल्कि याद दिलाते भी हैं, 'आपने तो ऐसा कहा था ना!' आमतौर पर इंसान मन दुःखाने वाली बातों को कभी नहीं भुला पाता। बच्चों का मन तो और कोमल होता है। उपेक्षा, अपमान और उपहास बहुत शिद्दत से याद रखता है। कानपुर का उक्त मामला बताता है कि अभिभावक अपने शब्दों को जरा सधकर इस्तेमाल करें। अपनी शिकायत हो या समझाइश, थोड़ा ठहराव बरतें।

इरादे पर भारी इमोशन: कहे गए शब्दों से आहत होकर सुसाइड करने, घर छोड़ने या अपने अभिभावकों से दूरी बना लेने के मामले आए दिन सामने आते हैं। अभिभावक भी ऐसा कुछ होने पर उलझन में पड़ जाते हैं, क्योंकि उनका इरादा अपने बच्चे के मन को ठेस पहुंचाने का नहीं होता। कभी परिस्थितिवश भी बहुत कुछ कह बैठते हैं तो कभी लहजा सख्त हो जाता है। समझना जरूरी है कि बच्चे, बड़ों के मन में छिपे इमोशंस को नहीं देख पाते। अभिभावकों के भले इरादे पर भी बालमन की आहत भावनाएं भारी पड़ जाती हैं। वे अभिभावकों को सबक सिखाने की बात सोचने लगते हैं। इसी इमोशनल बहाव में कोई पीड़ादाई कदम उठा लेते हैं। कई बार उम्र के एक पड़ाव को पार करने के बाद बच्चे अपने मन में दबे इस अपमान और दुःख को और गहराई से महसूस करते हैं। अभिभावकों का हर बात में कंट्रोल करना और स्नेह नहीं जताना, बच्चों को जिंदगी के प्रति उदासीन बना देता है। इसीलिए अभिभावकों की मंशा ही नहीं मनोबल बढ़ाने या तोड़ने वाले शब्द भी मायने रखते हैं।

दूसरों की मौजूदगी का दंश: कड़वे शब्दों के साथ अगर उपहास और बेइज्जती भी जुड़ जाए तो यह दिल में कील की तरह धंस जाता है। दूसरों की मौजूदगी में किया गया अपमान बहुत गहरी टीस बन जाता है। इस युवा ने भी सुसाइड नोट में लिख छोड़ा है कि मोहल्ले और घर के बाहर अपशब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित करने की पीड़ा उसे आज भी थी। आमतौर पर हमारे परिवारों में बड़े भी एक-दूसरे से यह कहते दिखते हैं कि 'यह बात मुझे अकेले में कहते।' फिर घर के बड़े बच्चों को कुछ कहते-समझाते हुए यह बात क्यों भूल जाते हैं? अभिभावक घर के बाहर डांटने-डपटने की गलती तो बिल्कुल न करें। अभिभावकों को समझना होगा कि बालमन पर शब्दों की खरोंच न पड़े। ❁

हेयर केयर

नैंसी गुप्ता

हेयर मास्क से मानसून में बाल रहेंगे हेल्दी

बारिश का मौसम बालों के लिए कई समस्याएं लेकर आता है। इस मौसम में हवा में नमी बढ़ने के कारण बाल रूखे, बेजान और फ्रिजी हो सकते हैं। साथ ही स्कैल्प में पसीना और गंदगी जमा होने से डैंड्रफ, खुजली और बाल झड़ने जैसी परेशानियां भी बढ़ जाती हैं। ऐसे में बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान घरेलू हेयर मास्क की मदद से मानसून में भी बालों की चमक और मजबूती बनाए रखी जा सकती हैं। बारिश के मौसम में बालों की देखभाल के लिए कुछ प्रभावी घरेलू हेयर मास्क के बारे में यहां बता रहे हैं।

दही-शहद का हेयर मास्क: मानसून में बालों में नमी बनाए रखना बेहद जरूरी है। दही और शहद का मिश्रण बालों को गहराई से पोषण देने का काम करता है। इसके लिए दो चम्मच दही में एक चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट तैयार करें और बालों की लंबाई पर लगाएं। लगभग 20 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से बाल धो लें। यह मास्क बालों को मुलायम और चमकदार बनाने में मदद करता है।

करी पत्ता-नारियल तेल मास्क: करी पत्ता बालों के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। कुछ करी पत्तों को पीसकर नारियल तेल में मिलाएं और इस मिश्रण को बालों की जड़ों पर लगाएं। इससे उन्हें पोषण मिलेगा।

केला-नारियल तेल मास्क: बारिश के मौसम में फ्रिजी बालों की समस्या आम होती है। इसे कम करने के लिए पके हुए केले में एक चम्मच नारियल तेल मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस मिश्रण को बालों पर 25 से 30 मिनट तक लगाकर रखें। इसके बाद बालों को धो लें। यह मास्क बालों को स्मूद बनाने के साथ-साथ उनकी प्राकृतिक चमक को भी बढ़ाता है।

एलोवेरा-दही का मास्क: यदि स्कैल्प में खुजली या डैंड्रफ की समस्या हो रही है, तो एलोवेरा और दही का हेयर मास्क फायदेमंद हो सकता है। दो चम्मच ताजा एलोवेरा जैल में दो चम्मच दही मिलाकर स्कैल्प और बालों पर लगाएं। यह मिश्रण स्कैल्प को ठंडक पहुंचाता है और बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

मेथी-दही का मास्क: रातभर भिगोई हुई मेथी को पीसकर उसमें दही मिलाएं और बालों की जड़ों में लगाएं। लगभग आधे घंटे बाद बाल धो लें। यह मास्क बालों के झड़ने को कम करने और जड़ों को मजबूत बनाने में मदद करता है। ❁

(हेयर एक्सपर्ट ऐशानी वर्मा से बातचीत पर आधारित)

सजेशन

निधि गोयल

आप वर्किंग वूमेन हों या फिर हाउसवाइफ, अपनी फिटनेस पर पूरा ध्यान देना चाहिए। आपका बेली फैट न बढ़े, इसके लिए आप कुछ ईजी एक्सरसाइज को अपनी रूटीन में शामिल कर सकती हैं।

ईजी एक्सरसाइज से बेली फैट होगा कम

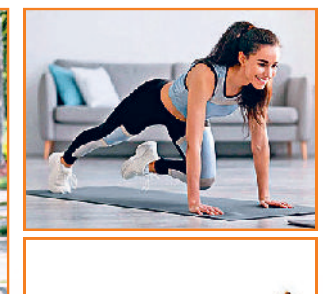

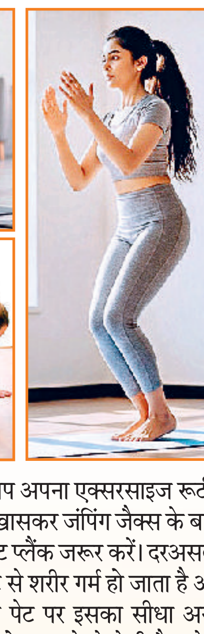

आज के दौर में कॉलेज गोइंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वूमेन तक और हाउसवाइफ भी अपनी फिगर को फिट रखना चाहती हैं। यह जरूरी भी है क्योंकि इससे न केवल आप एनर्जेटिक फील करती हैं, हर तरह की ड्रेस पहन सकती हैं। फिट फिगर को मेंटेन करने में महिलाओं के लिए कॉमन प्रॉब्लम बेली फैट होता है। इसे कंट्रोल करने के लिए रेग्युलर एक्सरसाइज करना जरूरी है। अगर आपके पास जिम जाने का समय नहीं है तो भी कुछ एक्ससाइज से आप अपने बेली फैट को कम कर सकती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

तेज चाल से वॉकिंग: रोजाना कुछ मिनट तेज चाल से वॉकिंग या रनिंग से सबसे जल्दी बेली फैट कम होता है। सो आप रोज सुबह, घर के बाहर किसी पार्क में या फिर सड़क किनारे तेज वॉकिंग कर सकती हैं। यदि वर्किंग हैं तो शाम को या फिर सुबह जल्दी उठकर तेज गति से वॉकिंग जरूर करें। कम से कम तीस से पैतालीस मिनट की डेली फास्ट स्पीड वॉकिंग आपके बेली फैट को कम करने में बहुत कारगर है।

माउंटेन क्लाइंबर्स: माउंटेन क्लाइंबर्स एक्सरसाइज में आपको जमीन पर उलटे हाथ के पंजो और पैर के पंजों के बल पर शरीर को उठाना होता है। इसके साथ तेजी से घुटनों को एक-एक करके आगे पीछे करना होता है। इसे भी तीन सेट में आपको करना चाहिए। इससे पेट और कोर मसल्स को मजबूती मिलती है और पेट की चर्बी कम होने लगती है। इससे बेली टोंड दिखने लगता है।

प्लैंक: जब आप अपना एक्सरसाइज रूटीन खत्म कर लें, खासकर जंपिंग जैक्स के बाद, आप कुछ मिनट प्लैंक जरूर करें। दरअसल, हार्ड वर्कआउट से शरीर गर्म हो जाता है और प्लैंक करते ही पेट पर इसका सीधा असर पड़ता है। ऐसा रोज करने से बेली फैट तेजी से कम होता है और उसकी मसल्स में टोनिंग आ जाती है। इसे करने के लिए आपको पेट के बल लेटकर हथेलियों और पैर के पंजे के बल पर शरीर को ऊपर उठाना होता है। ज्यादा से ज्यादा समय तक ऊपर रोककर रखना होता है। हर बार जितना संभव हो स्टे टाइम को बढ़ाते रहना होता है।

जंपिंग जैक्स: बेली फैट को कम करने के लिए जंपिंग जैक्स एक्सरसाइज भी बेहद फायदेमंद है। इसे तीन सेट में करना चाहिए। आरंभ में आप 15-15 स्टेप्स के तीन सेट में यह एक्सरसाइज करें। जंपिग जैक्स करने से पूरी बॉडी की एक्सरसाइज होती है लेकिन इससे पेट की चर्बी जल्दी कम होती है। यह एक्सरसाइज आप घर में कहीं भी खुली जगह में कर सकती हैं।

इन बातों पर ध्यान दें: जंक फूड खाने से बचें, ज्यादा से ज्यादा सलाद और फल खाएं। चीनी, कोल्ड ड्रिंक का सेवन कम करें। रोजाना कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें। तली-भुनी चीजें कम से कम खाएं। ❁

(फिटनेस इंस्ट्रक्टर राहुल शर्मा से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

केवी पावर हाउस परिसर में किया पौधरोपण

नारनौल। पर्यावरण संरक्षण और हरित अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार को 220 केवी पावर हाउस परिसर में विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सीनियर सब-स्टेशन इंजीनियर महेन्द्रपाल यादव ने किया। कार्यक्रम में बिजली निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर एसडीओ टील महेन्द्रगढ़ राकेश, जेई इंचार्ज नारनौल अशोक कुमार, जेई इंचार्ज नांगल चौधरी कमल किशोर तथा सेवानिवृत्त एएफएम एवं फोरमैन मेहरचन्द विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त एएफएम एवं फोरमैन मेहरचन्द के पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण की विशेष सराहना की।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान 12 जुलाई को

नारनौल। अखिल भारतवर्षीय श्री चौरासिया ब्राह्मण महासभा की ओर से इस वर्ष भी प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह 12 जुलाई को पंखा रोड हनुमान मंदिर नजदीक सागरपुर नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। श्री चौरासिया ब्राह्मण सभा जिला अध्यक्ष अनिल बवानिया एडवोकेट ने बताया कि महासभा की ओर से पूरे भारतवर्ष के मेधावी विद्यार्थियों व अभिभावकों को हर वर्ष सम्मानित किया जाता है, जिससे समाज के बच्चों व अभिभावकों का मनोबल व उत्साह बढ़ता है। महामंत्री देवीलाल शर्मा ने बताया कि जिले के मेधावी छात्रों को दिल्ली कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से समय पर पहुंचने का आग्रह किया।

भाजपा कार्यालय में श्रद्धापूर्वक मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती

राष्ट्रसेवा, राष्ट्रीय एकता व अखंड भारत के लिए उनके योगदान को किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय 'नमो कमल' में सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं देश की एकता, अखंडता व सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव, जिला महामंत्री किशनलाल बोहरा, जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव सहित जिला पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा राष्ट्रसेवा, राष्ट्रीय एकता और अखंड भारत के लिए उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को अपने जीवन का ध्येय बनाया। बंगाल के विभाजन के समय उनका दूरदर्शी नेतृत्व तथा जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए किया गया, उनका संघर्ष भारतीय इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। जिला महामंत्री किशनलाल बोहरा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के विचार आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उनके आदर्शों पर चलकर ही सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प साकार किया जा सकता है। जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम ऐसे भारत के निर्माण का प्रयास करें, जो सशक्त, एकजुट, आत्मविश्वास से भरपूर और संवेदनशील हो। उन्होंने बताया कि जयंती के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न स्थानों पर विचार गोष्ठियों व विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

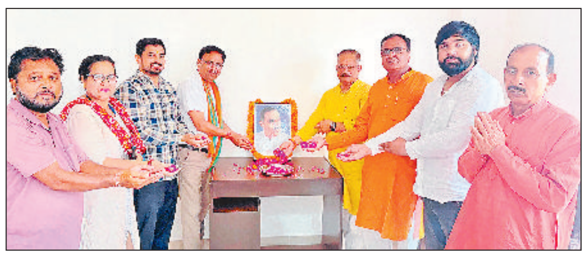
नारनौल। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन करते भाजपा कार्यकर्ता।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष महिपाल यादव, जिला मंत्री मनीष संघी, कार्यालय मंत्री संजय अमन, जिला प्रभारी महिला मोर्चा सरोज बाला, मार्केट कमेटी अध्यक्ष बाबूलाल यादव, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा कुलदीप सैनी, युवा मोर्चा महामंत्री राजेश सैनी आदि मौजूद थे।

जयंती से प्रेरणा लेकर आगे बढ़े युवा : डॉ. राकेश

माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से रिचा क्राफ्ट के सहयोग से दौंगड़ा अहीर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती के अवसर पर संगोष्ठी, पुष्पांजलि एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और समर्पण का प्रतीक है। युवाओं को उनके विचारों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। माय भारत के जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से माय भारत प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक जुलाई से 15 अगस्त तक वृहद पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है।

महिलाओं का सशक्त होना राष्ट्र की प्रगति का आधार

रिचा क्राफ्ट्स से ऋचा गर्ग ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं का सशक्त होना केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है। जब महिलाएं आत्मनिर्भर बनती हैं, तभी विकसित भारत के सपने को साकार किया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र के प्रति उनके योगदान पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मंच संचालन दिव्या ने किया।

नारनौल। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भाजयुमो ने डॉ. श्यामा मुखर्जी को अर्पित की श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से वार्ड नंबर-25 स्थित मोहल्ला मिश्रावाड़ा में भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व नगर पार्षद एवं भाजयुमो के प्रदेश आईटी सह-प्रमुख सिकन्दर कुमार ने किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय एकता के प्रति योगदान को याद किया। सिकन्दर कुमार ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अखंड भारत के संकल्प को साकार करने के लिए जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाली धारा 370 का पुरजोर विरोध किया था। उन्होंने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा देकर देश की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने डॉ. मुखर्जी की स्मृति में विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी कर उन्हें सम्मान दिया है। साथ ही उनके राष्ट्र निर्माण और बंगाल के विकास में अमूल्य योगदान को देखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार ने छह जुलाई को राज्य में सरकारी अवकाश घोषित किया है।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में भाजयुमो नारनौल मंडल अध्यक्ष आशीष चौधरी, जिला सचिव राजेश सैनी, पूर्व जिला प्रवक्ता अनिल शर्मा, मुकेश सोनी, धीरज सोनी, धीरज बोहरा, मनीष सोनी, पीयूष सैनी, नवीन, दीपेश, गोपाल सोनी, नीरज सोनी, रघुवीर सिंह, नवीन कुमार, अमित सोनी, राकेश निर्मल, कालू सैनी, अतुल मराठा, राजेश सोनी, प्रकाश सहित अनेक कार्यकर्ता व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डीएवी स्कूल में प्रतिभाओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

एमएस डीएवी स्कूल में जेईई मेन्स एवं जेईई एडवांस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को सोमवार प्रार्थना सभा में सम्मानित किया गया। इस दौरान प्राचार्य राजेश कुमार ने सत्र 2026 में जेईई मेंस व एडवांस की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी मुकुल गोयल, आर्यन ताखर, महक, दीपांशु सैनी, हर्ष वालिया, प्रवेश, हर्ष, वैभव, केशव, अक्षय, हर्ष, केशव गोयल, ललित सैनी, इशिका व द्विज को प्रार्थना सभा में स्मृति चिह्न व पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

प्राचार्य ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने बताया कि कठिन परिश्रम व लगन से किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। इसके अलावा उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने अध्यापकों के कुशल मार्गदर्शन व अपने अभिभावकों को दिया।

नारनौल। विद्यार्थी को सम्मानित करते प्राचार्य राजेश कुमार। फोटो : हरिभूमि

सफलता प्राप्त करने के लिए किया प्रेरित

यह सम्मान समारोह अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बना तथा उन्हें उच्च लक्ष्य निर्धारित कर सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण एवं अन्य विद्यार्थी भी उपस्थित रहे और सभी ने सफल विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्राचार्य राजेश कुमार ने इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शोक सभा में लोगों ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

क्षेत्र के वरिष्ठ नेता एव समाजसेवी राव ओम प्रकाश इंजीनियर की माता स्वर्गीय शरबती यादव के निधन पर आयोजित शोक सभा में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए भारी संख्या में क्षेत्र से लोग पहुंचे। इस दौरान सभी ने नम आंखों से उन्हें याद किया। शोक सभा में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने स्वर्गीय शरबती यादव को एक अत्यंत मिलनसार, मृदुभाषी और परोपकारी महिला के रूप में याद किया। शोकसभा में आने वाले लोगों ने कहा कि उनका जीवन सादगी और सेवा का प्रतीक था। वे न केवल अपने परिवार के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत थीं, जिन्होंने हमेशा समाज में प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाया। इस दुखद घड़ी में पूर्व मंत्री व विधायक ओम प्रकाश यादव, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक राव दानसिंह, पूर्व विधायक संतोष यादव, राव देवेंद्र सिंह, लाजपत यादव, भाई रामसिंह यादव, राव सुखबिंदर सिंह, कर्नल सतबीर यादव, सुमेर बिहाली, संदीप राव एडवोकेट, प्रवीण राव, विष्णु सरपंच, डॉ पवन यादव सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक और सैकड़ों ग्रामीण शामिल रहे। सभी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की।

मंडी अटेली। श्रद्धांजलि अर्पित करते विधायक ओमप्रकाश यादव।

महेंद्रगढ़। पौधरोपण करते स्कूल बच्चे एवं स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

रामचंद्र पब्लिक स्कूल में मनाया वन महोत्सव

महेंद्रगढ़। रामचंद्र पब्लिक स्कूल में सोमवार को वन महोत्सव दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही परिसर में उगी खरपतवार की सफाई कर स्वच्छता अभियान भी चलाया। विद्यालय के चेयरमैन रोशनलाल यादव ने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में बड़ी मदद मिल सकती है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, पर्यावरण संरक्षण की भावना और स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करना था। विद्यार्थियों ने भी पौधों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

बीएससी मैथ की टॉप 10 सूची में 5 स्थान पर यदुवंशी का कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा मैथ ऑनर्स के छठे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी कॉलेज की छात्राओं ने विश्वविद्यालय की टॉप 10 सूची में 5 स्थानों पर कब्जा किया। इस सूची में मनीषा पुत्री सदानंद ने प्रथम स्थान हासिल किया। तनीषा पुत्री रोशन लाल ने चौथा स्थान, प्रीति पुत्री सुरेश कुमार ने पांचवा स्थान, चेतना पुत्री सतीश कुमार ने सातवां स्थान तो वहीं संजना पुत्री योगेंद्र कुमार ने आठवां स्थान हासिल करके न केवल अपना नाम रोशन किया, बल्कि अपने माता-पिता के साथ-साथ यदुवंशी कॉलेज का भी नाम रोशन किया। संस्था के चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यदुवंशी कॉलेज हमेशा से ही शिक्षा और अनुशासन के लिए जाना जाता है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट करण सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव, सीईओ तनिस राव, ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव, डॉ प्रदीप यादव, कॉलेज प्राचार्य बबरूभान ने भी सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन यदुवंशी परिवार के लिए बड़ा ही गौरव का दिन है।

राव पहलाद सिंह डिग्री कॉलेज में एनसीसी शिविर शुरू

महेंद्रगढ़। राव पहलाद सिंह डिग्री कॉलेज, बलाना में 16वीं हरियाणा बटालियन द्वारा राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर एटीसी-169 का उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ। कॉलेज परिसर में अनुशासन, राष्ट्रभक्ति एवं नेतृत्व विकास का वातावरण देखने को मिला। यह शिविर 6 जुलाई से 15 जुलाई तक चलेगा। शिविर के उद्घाटन अवसर पर कर्नल संदीप कुमार ने सभी कैडेटों का स्वागत करते हुए उन्हें शिविर के उद्देश्य एवं महत्त्व से अवगत कराया। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य कैडेटों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, टीम भावना तथा राष्ट्रसेवा की भावना का विकास करना है। शिविर के दौरान कैडेटों को ड्रिल, शस्त्र प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट, व्यक्तित्व विकास, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, योग तथा विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त सामाजिक जागरूकता एवं सामुदायिक सेवा से संबंधित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

महेंद्रगढ़। एनसीसी कैडेट चयन में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस की मानसी भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय की छात्रा मानसी ने 12वीं कक्षा की पढ़ाई के दौरान ही भारतीय सेना की प्रतिष्ठित लिखित परीक्षा और उसके बाद कड़े एसएसबी इंटरव्यू को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनने का गौरव हासिल किया है। मानसी के पिता विनोद कुमार एवं माता बबिता हैं। छात्रा की इस उपलब्धि पर आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ पवित्रा राव, सीईओ इंजी मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव, प्राचार्य डॉ किशोर तिवारी व सीनियर विंग हैड देवेन्द्र पुनिया ने मानसी, उसके परिवार व शिक्षकों को बधाई देते हुए छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि प्रतिभा और सही मार्गदर्शन का संगम ही ऐसी बड़ी उपलब्धियां सुनिश्चित करता है। मानसी ने विद्यालय के मान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि मानसी की सफलता उसकी कड़ी मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। यह पूरे क्षेत्र और विद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने कहा कि सेना में अधिकारी बनना केवल एक करियर नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का सर्वोच्च संकल्प है। मानसी की यह राह युवाओं और विशेषकर लड़कियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि मानसी शुरू से ही एक नियमित और मेधावी छात्रा रही है। इस खुशी के मौके पर उप-प्राचार्य दिनेश कुमार, सीनियर विंग हैड देवेंद्र पुनिया, डीन एलएन गौड़, जिलेसिंह, अमित कुमार, साक्षी मलिक, अनीता अहलावत, राजकुमार व राज सिंह सहित समस्त स्टाफ ने चयनित छात्रा को बधाई दी।

मानसी

परीक्षा परिणामों में यदुवंशी डिग्री कॉलेज नंबर वन

नारनौल। इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय की ओर से रसायन विज्ञान छठा सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने बहुत ही बेहतरीन परिणाम दिया। कॉलेज की छात्रा महक पुत्री अजित कुमार ने चौथा स्थान प्राप्त किया। इसी कड़ी में दीक्षिका पुत्री सत्यपाल सिंह ने पाचवां, मुस्कान यादव पुत्री देवेन्द्र कुमार ने नौवां व नेहा पुत्री सुनील कुमार ने 10वां स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर यदुवंशी ग्रुप के चैयरमेन व पूर्व विधायक राव बहादूर सिंह ने कहा कि यदुवंशी डिग्री कॉलेज सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों व समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इस मौके पर यदुवंशी ग्रुप के सीईओ तनीष राव, संस्था निदेशिका सुरेश यादव, डॉ. प्रदीप यादव, डॉ. सोनल यादव व रसायन विज्ञान के प्रमुख बिरेन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

सूचना

मैं, ईश्वर सिंह पुत्र श्री सुभाषचन्द निवासी जाटवास तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ बयान करता हूं कि मेरा पुत्र राजीव व पुत्रवधु सरकिला मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

शिकायत | डीसी अनुपमा अंजली ने समाधान शिविर में सुनीं 140 जनसमस्याएं

मुख्यमंत्री कार्यालय की निगरानी में पीपीपी सहित कई शिकायतों का ऑन द स्पॉट निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार के जनहितैषी विजन को धरातल पर उतारते हुए मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सोमवार को लघु सचिवालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में उपायुक्त अनुपमा अंजली ने 140 नागरिकों की एक-एक कर शिकायतें सुनी। साथ ही मौके पर ही मौजूद प्रशासनिक अमले को उनके त्वरित निवारण के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक दीपक ने पुलिस से संबंधित शिकायतों को सुना। इस अवसर पर उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार और जिला प्रशासन की सबसे पहली प्राथमिकता हर नागरिक को बिना किसी देरी के न्याय दिलाना है। इस मंच पर आने वाली हर एक जनसमस्या को अधिकारी बेहद संजीदगी से लें और यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक शिकायत का समाधान एक निश्चित और तय समय सीमा के भीतर ही पूरा हो। इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आज के समाधान शिविर में आम जनता को बड़ी राहत देते हुए परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए एक विशेष डेस्क से मौके पर ही नागरिकों के डेटा और त्रुटियों को ठीक कर उनकी समस्याओं का ऑन द स्पॉट निपटारा किया गया।

नारनौल। नागरिकों की शिकायतें सुनती डीसी अनुपमा अंजली। फोटो : हरिभूमि

सरकार का एक बेहद बेहतरीन प्लेटफॉर्म

उपायुक्त ने कहा कि यह हरियाणा सरकार का एक बेहद बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। यहां कोई भी आम नागरिक बेझिझक अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को प्रशासनिक पटल पर रख सकता है। उन्होंने बताया कि इस मंच की सबसे बड़ी खूबी इसकी पारदर्शिता है, क्योंकि यहां आने वाली हर शिकायत के समाधान की पल-पल की प्रगति को सीधे पोर्टल पर अपलोड और अपडेट किया जाता है। इसके बाद एक तय समय में उसका पूरी तरह से निराकरण सुनिश्चित होता है। इस पूरी व्यवस्था और पोर्टल पर मुख्यमंत्री कार्यालय सीधे नजर रखता है। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में भी इसी निष्ठा के साथ जन शिकायतों को समय पर पूरा करें। उन्होंने आम जनता से भी अपील की है कि वे प्रत्येक सोमवार व वीरवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक प्रत्येक उपमंडल में आयोजित होने वाले इन समाधान शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

जुलाई को रोहतक में रिटायर्ड कर्मचारी संघ की राज्य कार्यकारिणी बैठक

नारनौल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक 12 जुलाई को सुबह 10 बजे रोहतक स्थित कर्मचारी भवन में होगी। बैठक में प्रदेशभर के पदाधिकारी, जिला प्रधान और सचिव भाग लेकर पेंशनर्स की लंबित मांगों, संगठनात्मक गतिविधियों तथा भविष्य के आंदोलन की रणनीति पर चर्चा करेंगे। संघ के प्रदेश सचिव धर्मपाल शर्मा ने बताया कि राज्य प्रधान वजीर सिंह और महासचिव रतन जिंदल के निर्णय अनुसार आयोजित इस बैठक में 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्मान, जिला कार्यालयों में लंबित कार्यों के निस्तारण, निजी बसों में यात्रा संबंधी समस्याओं, नगरपालिका, अग्निशमन व सफाई कर्मचारियों के आंदोलनों, सदस्यता अभियान, संघर्ष फंड, मेडिकल कैंप और 21 अप्रैल के धरनों की समीक्षा की जाएगी।

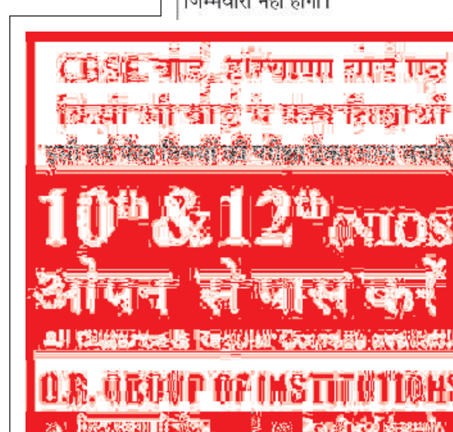

श्री गौशाला (रजि.) महेन्द्रगढ़
हरियाणा 123029 (रजि. नं. 005/47) Ph.: 01285-220110
बोली सूचना
श्री गौशाला महेंद्रगढ़ में स्थित श्री राधा कृष्णा मैरिज पैलेस की बोली अगले पांच वर्षों (अगस्त 2026 To जुलाई 2031) के लिए 14.07.2026 मंगलवार को सुबह 9:00 बजे श्री गौशाला महेंद्रगढ़ में लगाई जाएगी। निगम और शर्तें मौके पर बता दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए गौशाला प्रशासन से संपर्क करें।
आदेशानुसार
महासचिव, श्री गौशाला (रजि.) महेन्द्रगढ़, 8307612723

खबर संक्षेप

नंबरदारों ने की प्रतिमाह भत्ता देने की मांग

कनीना। प्रदेश सरकार पिछले समय से नम्बरदारों के हितों की अनदेखी कर रही है। जिससे उनमें रोष पनप रहा है। नम्बरदार एसोसिएशन के प्रधान ने जगदेव सिंह कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ज्ञापन सौंपा गया था। जिसमें उन्होंने नम्बरदार को सरकार की तीसरी आंख बताते हुए गांवों में होने वाले रेवेन्यू कार्य एवं अन्य घटनाक्रम की जानकारी सरकार तक पहुंचाने का जिम्मेदारी पूर्वक बताया था। सरकार की ओर से जो सुविधाएं नंबरदारों को दी जानी चाहिए थी, वे उन्हें उपलब्ध नहीं करवाई गई।

व्यापार मंडल सतनाली मंडी की कार्यकारिणी घोषित

नारनौल। हरियाणा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विजयलक्ष्मी चंद गुप्ता व जिला अध्यक्ष संदीप नूनीवाला की अनुशंसा पर सतनाली मंडी अध्यक्ष सतीश गोयल ने हरियाणा व्यापार मंडल सतनाली मंडी की नई कार्यकारिणी घोषित की। नवनियुक्त कार्यकारिणी में संरक्षक मदनलाल गोपालवासिया, अध्यक्ष सतीश गोयल, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार मित्तल, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार गर्ग, संगठन सचिव संजय कुमार श्यामपुरिया, सचिव अरविंद शेखावत, सहसचिव हजारीलाल गोयल, प्रेस प्रवक्ता अजय सिंह श्यामपुरिया, सदस्य जयप्रकाश गुप्ता, महेंद्र कुमार गोयल, नितिन अग्रवाल बंटी, नरेंद्र सिंह शेखावत, अमित मित्तल, अभिमन्यु मित्तल टिंकू, मुकेश गोयल को शामिल किया गया।

अधूरे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के दिए निर्देश

नारनौल। जिला के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति देने के लिए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने सोमवार को विभागीय अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। डीसी ने अधिकारियों को हिदायत दी कि सतनाली क्षेत्र में जितने भी शेष कार्य बचे हैं, उन्हें बिना किसी देरी के जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

बैठक में सेवा कार्यों के विस्तार पर मंथन

नारनौल। सेवा भारती की जिला स्तरीय बैठक मोहल्ला नलापुर स्थित ठाकुर जी मंदिर के निकट आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता विभाग अध्यक्ष जगदीश गुप्ता ने की। बैठक में संगठन के सेवा कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी योजनाओं एवं सेवा गतिविधियों के विस्तार पर विस्तृत चर्चा की गई।

डीआरएम बीकानेर को भेजा ज्ञापन

कनीना। रेवाड़ी बीकानेर रेल मार्ग पर स्थित गुढ़ा केमला रेलवे स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं के अभाव और कोविड काल से बंद पड़ी पत्रकारों की रेल यात्रा रियायत को लेकर सोमवार को दैनिक यात्रियों, पत्रकारों व ग्रामवासियों ने बीकानेर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के नाम अलग-अलग ज्ञापन रेलवे स्टेशन अधीक्षक दलीप सिंह को सौंपे। पहले ज्ञापन के माध्यम से गुढ़ा केमला रेलवे स्टेशन की बदहाली की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है।

इच्छुक अभ्यर्थी 6 से 12 जुलाई तक कर सकते हैं ऑनलाइन पंजीकरण

हकेंवि में 4 वर्षीय बीए-बीएड पाठ्यक्रम के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) बीए-बीएड (सेकेंडरी स्टेज) में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी)-2026 के माध्यम से होगा। इच्छुक अभ्यर्थी 6 से 12 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शिक्षण के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए चार वर्षीय आईटीईपी पाठ्यक्रम एक बेहतर विकल्प है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ आधुनिक शिक्षण कौशल विकसित करने में भी सहायक होगा।

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विश्वविद्यालय जांट पाली। फोटो : हरिभूमि

एनसीईटी-2026 के नोडल अधिकारी प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि 13 जुलाई को समग्र मेरिट सूची जारी की जाएगी। प्रथम चरण की सीट आवंटन सूची 14 जुलाई को प्रकाशित होगी, जबकि चयनित अभ्यर्थियों को 16 जुलाई तक प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। दूसरी आवंटन सूची 17 जुलाई तथा तीसरी 20 जुलाई को जारी की जाएगी। दूसरी सूची के चयनित अभ्यर्थी 19 जुलाई और तीसरी सूची के अभ्यर्थी 21 जुलाई तक शुल्क जमा कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि यदि तीसरे चरण के बाद भी सीटें रिक्त रहती हैं तो 30 जुलाई तक प्रतीक्षा सूची से प्रवेश दिए जाएंगे। दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन और कक्षाओं का संचालन 23 जुलाई से शुरू होगा। प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

हकेंवि में एआई और साइबर सुरक्षा पर 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन की ओर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर सुरक्षा एवं उभरती प्रौद्योगिकी विषय पर 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव का शुभारंभ हुआ। कॉन्क्लेव में देशभर से 500 से अधिक विद्यार्थी, शोधकर्ता, वैज्ञानिक, उद्योग विशेषज्ञ और साइबर सुरक्षा पेशेवर भाग ले रहे हैं। आयोजन में विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेटेड स्टार्टअप महाराज साइबर सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड तकनीकी सहयोगी की भूमिका निभा रहा है। उद्घाटन समारोह में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा के कुलपति एवं सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अशोक कुमार मुख्य अतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने कहा कि एआई वर्तमान समय की आवश्यकता है, लेकिन इसका उपयोग केवल एक प्रभावी उपकरण के रूप में होना चाहिए। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय सभी विभागों में एआई आधारित पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में कार्य कर रहा है। मुख्य वक्ता प्रो. जीके गोस्वामी ने कहा कि भविष्य के युद्ध साइबर आधारित होंगे और डेटा सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरेगी। उन्होंने साइबर अपराधों में तेजी से हो रही वृद्धि पर चिंता जताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ कानूनी समझ भी विकसित करनी होगी। कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में रोजगार, नवाचार और नई तकनीकों पर विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए।

विनोद की भैंस पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी

सिहमा गांव में मुर्रा भैंस का जलवा 21.193 किलो दूध से सबको पछाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अक्सर कहा जाता है कि मेहनत और सही देखभाल से हर क्षेत्र में सफलता हासिल की जा सकती है। इस कहावत को सच कर दिखाया है गांव सिहमा निवासी विनोद पुत्र विजय सिंह ने, जिन्होंने पशुपालन के क्षेत्र में एक अनोखी मिसाल पेश की है। विनोद की मुर्रा नस्ल की भैंस इन दिनों पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। वजह है उसका शानदार दुग्ध उत्पादन।

गांव में आयोजित दूध उत्पादन मूल्यांकन में इस भैंस ने 21 किलो 193 ग्राम दूध देकर पहला स्थान हासिल किया। खास बात यह है कि यह भैंस एक माह की कटड़ी की मां है, जो इस उपलब्धि को और भी खास बना देती है। आमतौर पर इस अवस्था में पशु का उत्पादन थोड़ा कम माना जाता है, लेकिन विनोद की भैंस ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया।

मंडी अटेली। चैंपियन मुर्रा भैंस के साथ खड़े डॉक्टर एवं परिजन। फोटो : हरिभूमि

आधुनिक सोच ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दे सकता है नई दिशा

इस प्रतियोगिता में कई पशुपालकों ने हिस्सा लिया, जहां पशुओं के दूध उत्पादन का निरीक्षण किया गया, लेकिन विनोद की भैंस ने अपने प्रदर्शन से सभी को पीछे छोड़ दिया। इस उपलब्धि की पुष्टि वेटरनरी सर्जन डॉ. राजपाल द्वारा तैयार की गई आधिकारिक रिपोर्ट में भी की गई है। विनोद को इस उपलब्धि के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग पंचकूला द्वारा 20 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह न केवल उनके लिए सम्मान की बात है, बल्कि अन्य पशुपालकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई है। ग्रामीणों का कहना है कि विनोद की सफलता यह दिखाती है कि यदि पशुओं की सही देखभाल संतुलित आहार और समय पर चिकित्सा सुविधा दी जाए तो बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। यह उपलब्धि गांव के युवाओं को भी पशुपालन की ओर आकर्षित कर रही है। हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं भी इस सफलता के पीछे एक बड़ा कारण मानी जा रही हैं। इन योजनाओं के जरिए पशुपालकों को प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता और बेहतर संसाधन मिल रहे हैं। विनोद की यह उपलब्धि केवल एक पुरस्कार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संदेश देती है कि आधुनिक सोच और पारंपरिक पेशे का मेल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है।

लॉजिस्टिक हब के लिए जमीन कीमत कम आंकी, लड़ेंगे लड़ाई

- नरेड़ी गांव में इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब परियोजना के लिए 80 लाख प्रति एकड़ मुआवजा मिला, फिर बसीरपुर, तलोट व घाटाशेर के किसानों का महज 30 लाख रुपये क्यूं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

निजामपुर क्षेत्र में बनने वाले मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब के लिए एचएसआईआईडीसी द्वारा किए गए भूमि अधिग्रहण को लेकर गंभीर आरोप लगे है। यह आरोप सामाजिक कार्यकर्ता इंजी. तेजपाल यादव ने प्रेस कांफ्रेंस में लगाएं। उनका कहना था कि पड़ोस के ही गांव नारेड़ी में मुआवजा 80 लाख दिया गया तो तो बसीरपुर, तलोट, घाटाशेर में 30 लाख ही क्यूं दिलवाया गया। बसीरपुर गांव में बारानी, नहर के पास, ट्यूबवेल से सिंचित, अरावली पहाड़ के पास, अलग-अलग किस्म की भूमि थी फिर सभी भूमि को एक लाठी से हांक कर किस तरह से कम मुआवजा तय कर गए डॉक्टर अभय सिंह।

उन्होंने कहा डॉ. अभय सिंह यादव ने खानपुर व मंढाणा गांव में हाईवे के लिए गई जमीनों का कम मुआवजे का उदाहरण देते हुए बसीरपुर, तलोट व घाटाशेर के किसानों की लॉजिस्टिक हब में गई जमीनों को सहमति मॉडल से मिले 30 लाख रुपये प्रति एकड़ के मुआवजे को सही ठहराकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया है। इन गांव में जिन लोगों की हाईवे के लिए जमीन गई उन जमीनों का मुआवजा 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून के अनुसार नहीं दिया गया। रेट नेगोशियेशन कमेटी बाद में बनाई जाती है और पहले ही मुआवजा 30 लाख रुपये बंद कमरों में तय कर दिया जाता है। तेजपाल यादव ने कहा कि 900 एकड़ जमीन 30 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से सिर्फ 270 करोड़ रुपये में कंपनी को थमा दी गई जबकि 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून के अनुसार वहीं जमीन न्यूनतम 70 लाख रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से 630 करोड़ में जानी थी तो बीच का 360 करोड़ का फायदा कंपनी को पहुंचाया गया।

डॉ. अभय सिंह यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि बसीरपुर, तलोट व घाटाशेर के गांवों के किसानों की जमीनों का 12 लाख रुपये कलेक्टर रेट के हिसाब से मुआवजा तय करवाया है जबकि सच यह है कि इतना कलेक्टर रेट तय नहीं होना चाहिए था।

नारनौल। प्रेस वार्ता करते इंजी. तेजपाल यादव। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि ने उठाए सवाल, यह मिला जवाब

सवाल : आपने कलेक्टर रेट कम होने की बात कही। कलेक्टर रेट जिला प्रशासन तय करता है या कोई विधायक?

जवाब : डवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए कमेटियां बनाई जाती है। कई बार कमेटियां सिर्फ औपचारिकता निभाने के लिए होती है ताकि कोर्ट में मामला जाए तो ट्रांसपेरेंसी पर बहुत ज्यादा सवाल ना उठे। इस मामले में यह प्रतीत होता है कि सारा काम थ्रू एमएलए हुआ। लीगली कलेक्टर रेट जिला प्रशासन निर्धारित करता है। लेकिन आप हिंदुस्तान की राजनीति समझते है। कहीं ना कहीं विधायक जनप्रतिनिधि का दबाव रहता है। कलेक्टर रेट 2016 से 2019 तक बढ़ा नहीं और जैसे ही जमीनों की रजिस्ट्रियां होती है, बढ़ने लगता है। बिल्कुल यह कहें कि कलेक्टर रेट निर्धारित में भी डा. अभय सिंह का रोल दूसरे तरीके से है।

सवाल : लॉजिस्टिक हब के लिए जो किसानों की सहमति से जमीन ली गई है, क्या कोर्ट ने उस पर भी स्टे लगाई है या जो जमीन बाकी 30 प्रतिशत खरीदी जानी है, उस पर स्टे लगी है?

जवाब : जो जमीन अभी नहीं ली गई, उस पर कोर्ट ने स्टे लगाई है।

सवाल : लॉजिस्टिक हब में जो आप भ्रष्टाचार की बात कर रहे हो, क्या कोर्ट स्टे में ऐसा कुछ लिखा है भ्रष्टाचार हुआ है इस वजह से स्टे लगाई जाती है?

जवाब : स्टे में ऐसा नहीं लिखा हुआ। कई बार सुप्रीम कोर्ट पर बहुत सारे जजमेंट का लोड रहता है। केसिज का लोड रहता है। फर्स्ट हियरिंग में बहुत सारे आर्गुमेंट सुनकर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे इसलिए दिया है, वो दरअसल उन लोगों को दिया है जिनकी जमीनें नहीं गई है। लेकिन जो 408 एकड़ जो निर्धारित किया है, उन पर बनेगा, उसमें भी दो तीन एकड़ जमीन ऐसी है जो नहीं बिकी है। यहां पेंच फंसा हुआ है। पहले यह हब 900 एकड़ में बनना था फिर कहा कि 408 एकड़ में भी बनेगा, उसमें भी दो तीन एकड़ जमीन ऐसी है जो किसानों ने नहीं बेची है।

सवाल : कानून क्या यह कहता है कि कोर्ट ने स्टे दे दी तो इसका मतलब भ्रष्टाचार हुआ है?

जवाब : अभी जजमेंट नहीं आया है। यहां तो आर्गुमेंट हुए है और मेरी जो लॉयर से बातचीत हुई है। सरकार के वहां जो लॉयर थे, उन्होंने बार बार यह कहा कि आप स्टे मत दो। सारी जमीन का मुआवजा सही तरीके से तय किया गया है। सुप्रीम कोट ने बरबली कहा है कि भूमि अधिग्रहण 2013 का जो कानून है, उसका पालन नहीं किया गया है। यह शुरूआती फेज था।

पीजी कॉलेज प्रवेश प्रक्रिया : पहली मेरिट सूची 22 जुलाई को होगी जारी

मिशन एडमिशन

नारनौल। उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया का विस्तृत कार्यक्रम जारी है। जारी शेड्यूल के अनुसार अभ्यर्थियों का ऑनलाइन पंजीकरण सात मई से 12 जुलाई तक किया गया, जबकि आवेदन पत्र में संशोधन की सुविधा 13 जुलाई तक उपलब्ध रही। कॉलेजों की ओर से दस्तावेजों का सत्यापन और आपत्तियों का निराकरण 18 जुलाई तक पूरा किया जाएगा। इसके बाद 20 जुलाई को सभी पात्र अभ्यर्थियों की सूची प्रकाशित की जाएगी। प्रथम चरण की काउंसलिंग के तहत प्रथम प्रोविजनल मेरिट सूची 21 जुलाई को जारी होगी, जबकि प्रथम अंतिम मेरिट सूची 22 जुलाई को प्रकाशित की जाएगी। जिन अभ्यर्थियों का नाम पहली मेरिट सूची में आएगा, उन्हें 23 जुलाई से 27 जुलाई के बीच निर्धारित शुल्क जमा कर अपनी सीट सुनिश्चित करनी होगी। यदि प्रथम चरण के बाद सीटें रिक्त रहती हैं, तो विभाग दूसरे चरण की काउंसलिंग आयोजित करेगा। इसके अंतर्गत द्वितीय प्रोविजनल मेरिट सूची 28 जुलाई को तथा द्वितीय अंतिम मेरिट सूची 29 जुलाई को जारी की जाएगी। दूसरे चरण में चयनित अभ्यर्थियों को 30 जुलाई से तीन अगस्त तक प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। उच्चतर शिक्षा विभाग ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे नियमित रूप से ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल पर जाकर मेरिट सूची, दस्तावेज सत्यापन की स्थिति तथा अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं पर नजर बनाए रखें।

ऑनलाइन कार्य का दबाव हटाने की मांग आशा वर्कर्स ने सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

ऑनलाइन कार्य कराने के लिए बनाए जा रहे दबाव के विरोध में आशा वर्कर्स यूनियन, जिला महेंद्रगढ़ ने सोमवार को राज्य कमेटी के आह्वान पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) नारनौल के माध्यम से मिशन डायरेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। यूनियन ने मांग की कि आशा वर्कर्स पर ऑनलाइन कार्य का अतिरिक्त बोझ डालने के बजाय इसके लिए अलग से तकनीकी कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए। जिला प्रधान सुशीला देवी और जिला सचिव कांता देवी ने बताया कि आशा वर्कर्स प्रतिदिन छह से सात घंटे तक फील्ड में घर-घर जाकर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कार्य करती हैं। ऐसे में उनके पास ऑनलाइन कार्य करने के लिए पर्याप्त समय नहीं बचता। यदि उन पर ऑनलाइन काम का

दबाव बनाया गया तो फील्ड कार्य प्रभावित होगा, जिसका सीधा असर स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन कार्य तकनीकी प्रकृति का है और यह आशा वर्कर्स के निर्धारित कार्यों में शामिल भी नहीं है। इसके बावजूद विभाग की ओर से लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जिससे आशा वर्कर्स में भारी रोष है। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए अधिकांश मोबाइल फोन खराब पड़े हैं, जिससे ऑनलाइन कार्य करना और भी मुश्किल हो गया है।

महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन पर आधुनिक सफाई व्यवस्था शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण अंतिम चरण में पहुंच गया है। दैनिक रेलयात्री महासंघ के अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि करीब 17 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे इस प्रोजेक्ट का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन पर आधुनिक वेटिंग हॉल, बेहतर बैठक व्यवस्था, शुद्ध पेयजल, उन्नत प्रकाश व्यवस्था और सुलभ शौचालय जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि यात्रियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए एक जुलाई से आधुनिक मशीनों के माध्यम से स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म और कार्यालयों की सफाई शुरू कर दी गई है। इससे स्टेशन की साफ-सफाई और बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि स्टेशन के आधुनिकीकरण के साथ दैनिक रेलयात्री महासंघ ने इस रूट पर नई रेलगाड़ियां चलाने की मांग भी उठाई है।

बीकानेर मंडल के अधिकारियों ने स्टेशन का कार्य पूरा होने के बाद नई ट्रेनों की मांग पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

महेंद्रगढ़। एसडीएम योगेश सैनी को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एचटेट के सफल आयोजन पर एसडीएम सम्मानित

महेंद्रगढ़। हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) के सफल एवं निष्पक्ष आयोजन पर स्थानीय लघु सचिवालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान उपमंडल नोडल अधिकारी एचटेट एवं एसडीएम योगेश सैनी को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा एवं राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया गया। समारोह में हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा के जिला सचिव राजेश शर्मा झाड़ली, हरियाणा मास्टर वर्ग एसोसिएशन के जिला प्रधान दीपक कुमार शर्मा, राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विजय यादव, राजकीय महिला महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. महेंद्र सिंह सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य, संचालक और शिक्षाविद मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि एचटेट का सफल आयोजन प्रशासनिक दक्षता, बेहतर समन्वय और टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण है। एसडीएम योगेश सैनी ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता प्रशासन, शिक्षा विभाग, पुलिस तथा परीक्षा ड्यूटी में लगे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी जनहित में इसी समर्पण के साथ कार्य करने का भरोसा दिलाया।

तय समय में निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी

महेंद्रगढ़। प्रदेश सरकार की जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की पहल को आगे बढ़ाते हुए सोमवार को महेंद्रगढ़ लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय के कोर्ट रूम में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एसडीएम योगेश सैनी ने आमजन की शिकायतें सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को अधिकांश मामलों का मौके पर ही निस्तारण करने के निर्देश दिए। एसडीएम योगेश सैनी ने कहा कि जिला उपायुक्त अनुपमा अंजली के मार्गदर्शन में जिला एवं उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर सरकार और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

कपिल की मौत की हो उच्चस्तरीय जांचः राव नरेंद्र सिंह

अटेली में बोले प्रदेश अध्यक्षः युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद करें सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने सोमवार को अटेली में आयोजित ब्लॉक स्तरीय कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था, पेपर लीक माफिया और युवाओं के साथ हो रहे अन्याय को लेकर सरकार को घेरा।

राव नरेंद्र सिंह ने बैठक की शुरुआत में अटेली क्षेत्र के गांव सैदपुर निवासी युवा कपिल को श्रद्धांजलि दी गई जिसकी हाल ही में हरियाणा की फिजिकल परीक्षा के दौरान मौत हो गई थी। प्रदेश अध्यक्ष ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत निंदनीय बताया। उन्होंने स्टाफ सिलेक्शन कमीशन के अध्यक्ष द्वारा कपिल के बीमार होने संबंधी ट्वीट को असंवेदनशील करार दिया और सवाल उठाया कि कोई भी बीमार व्यक्ति फिजिकल परीक्षा देने का जोखिम क्यों उठाएगा। उन्होंने मांग की कि पीड़ित परिवार को तुरंत उचित आर्थिक सहायता दी जाए तथा कपिल की गर्भवती पत्नी को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। राव नरेंद्र सिंह ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आज का युवा पेपर लीक, बढ़ती कोचिंग फीस, उस पर जीएसटी का बोझ और शिक्षा के निजीकरण जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि लाखों अभिभावक अपनी जीवनभर की कमाई बच्चों की शिक्षा पर खर्च कर रहे हैं लेकिन सरकार रोजगार की कोई गारंटी नहीं दे रही है।

मंडी अटेली। ब्लॉक स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह।

दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं ने युवाओं के भविष्य को अंधकारमय बना दिया है। कांग्रेस पार्टी इन मुद्दों पर जनता को जागरूक कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करती है। प्रदेश अध्यक्ष ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर भी चिंता जताते हुए सरकार से दाम घटाने की मांग की। बैठक के सफल आयोजन का श्रेय स्थानीय नेताओं को देते हुए कहा कि चेयरमैन दलीप सिंह यादव, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह रातां, सुमेर बिहाली के विशेष प्रयासों से यह बैठक ऐतिहासिक बनी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता से जुड़े हर मुद्दे को सदन से लेकर सड़क तक मजबूती से उठाती रहेगी। इस दौरान जिला अध्यक्ष सतवीर झूकिया ने भी संबोधित किया।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर युवा नेता कृष्ण राव, जिला सचिव बलवंत मोहनपुर, कमलेश सैनी, राजवीर सिलारपुर, कनीना ब्लॉक अध्यक्ष रामकिशन, तोताराम, सुधीर पाराशर, नंदलाल, अनिल फांडन, रणबीर, तेजपाल, विनोद सुमेर सरपंच, बाबूलाल प्रधान राता, सुधीर, विक्रम नांगल चौधरी, मेनपाल, गोलिया प्रधान, लाल सिंह गिरदावर, पृथ्वी सिंह गिरदावर, धर्मेंद्र प्रधान, अनूप जांगड़ा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।